Table of Contents

1. [illegible]
2. "[illegible]" [illegible]
3. [illegible]: [illegible]
4. [illegible] [illegible]
5. [illegible] [illegible]
6. [illegible] [illegible]
7. [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] 1932 [illegible], [illegible] ([illegible] [illegible]) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] "[illegible] [illegible]" [illegible] 1958 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] "[illegible] [illegible]", "[illegible]", "[illegible]", "[illegible] [illegible]", "[illegible] [illegible]", "[illegible] [illegible]", "[illegible] [illegible]" ([illegible] [illegible]), "[illegible] [illegible] [illegible]" ([illegible]-[illegible]), "[illegible] [illegible] [illegible]" ([illegible]), "[illegible] [illegible] [illegible]" ([illegible] [illegible]), [illegible] "[illegible] [illegible] [illegible]" ([illegible]) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] "[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]" [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

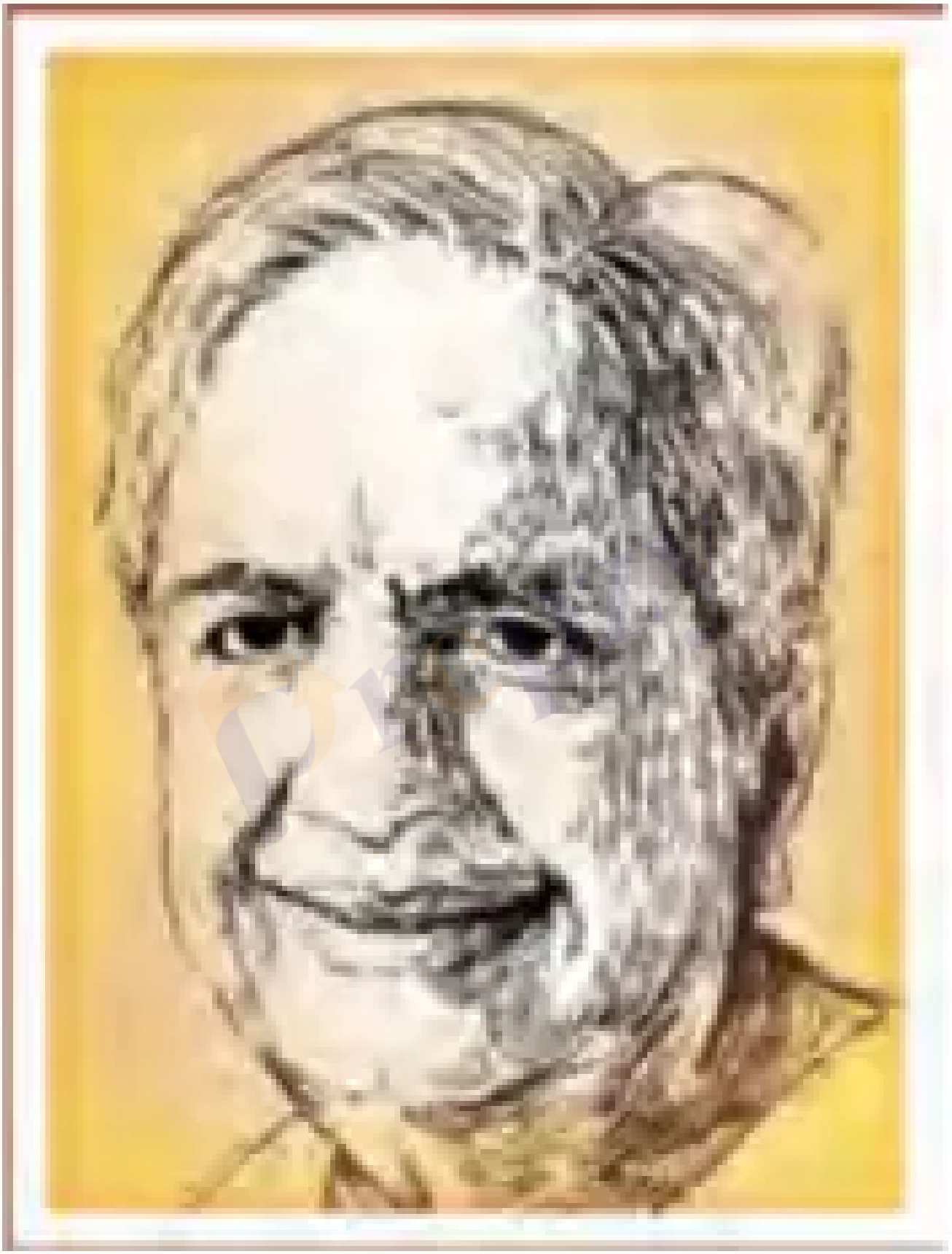

□□□□□ □□□□□

- □□□□□□□□-□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□□□□ □□ □□□□□□□

- मजदूरों के जीवन संघर्षों को प्रमुखता देना।
- सामाजिक यथार्थ की अभिव्यक्ति।
- प्राप्त पुरस्कार: महावीर प्रसाद द्विवेदी पुरस्कार, साहित्य भूषण सम्मान, अखिल भारतीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य पुरस्कार।
- सन् 2022 में उनका निधन।

अभ्यास प्रश्न

- शेखर जोशी की प्रमुख रचनाएँ कौन-कौन सी हैं?
- उनकी कहानियों में किस प्रकार के समाज का चित्रण मिलता है?
- शेखर जोशी को कौन-कौन से पुरस्कार प्राप्त हुए?

उत्तर कुंजी

- प्रमुख रचनाएँ: कोसी का घटवार, साथ के लोग, दाज्यू, हलवाहा, नौरंगी बीमार है, आदि।
- ग्रामीण-शहरी मध्यवर्गीय समाज और मजदूर जीवन का चित्रण।
- महावीर प्रसाद द्विवेदी पुरस्कार, साहित्य भूषण सम्मान, अखिल भारतीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान, श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य पुरस्कार।

शब्दावली

- मध्यवर्गीय - समाज का वह वर्ग जो आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मध्यम होता है।
- संग्रह - संग्रहित रचनाओं का समूह।
- संस्मरण - जीवन के अनुभवों का लेखन।

"संवादहीन" कहानी का सारांश

"संवादहीन" कहानी एक ग्रामीण वृद्ध स्त्री ताई और उसके तोते मिट्ठू के बीच के संबंधों को दर्शाती है। ताई के अकेलेपन और जीवन की कठिनाइयों के बीच मिट्ठू उसके संवाद का माध्यम और ममता का केंद्र बन जाता है। कहानी में मनुष्य और पशु-पक्षी के बीच प्रेम, संवाद, और संघर्ष की झलक मिलती है। साथ ही यह कहानी पलायन, अकेलेपन, आदर्श और यथार्थ के द्वंद्व को भी उजागर करती है।

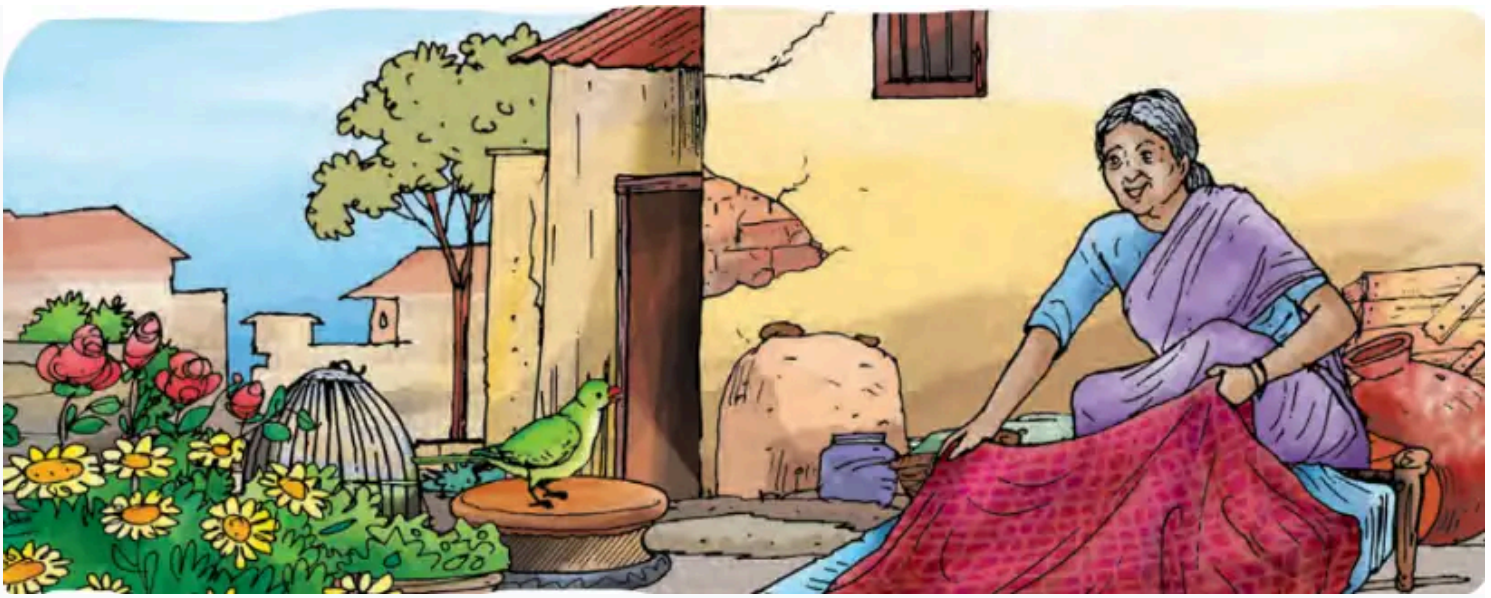

मुख्य बिंदु

- ताई और मिट्ठू के बीच प्रेमपूर्ण संवाद।
- गांव के बड़े घर का सूना होना और परिवार का बि □रना।
- ताई की ममता और मिट्ठू की बुद्धिमत्ता।
- अकेलेपन और संवादहीनता की समस्या।
- मिट्ठू का पिंजरे से बाहर उड़ जाना और ताई का दु □।

Prepzy

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"गहरी साँस लेकर ताई कहतीं, 'भगवान! कैसे नैया पार लगेगी?' और बंद पिंजड़े में अपने पंखों को फड़फड़ाता, उछल-कूद मचाता मिट्ठू उत्तर देता, 'राम-राम कहो, सीताराम कहो।'"

हल किए गए उदाहरण

ताई और मिट्ठू के संवादों से कहानी में उनके भावनात्मक संबंध स्पष्ट होते हैं।

अभ्यास प्रश्न

- "संवादहीन" कहानी के मुख्य पात्र कौन हैं?
- कहानी में ताई और मिट्ठू के संबंधों का क्या महत्व है?
- मिट्ठू के पिंजरे से उड़ जाने का ताई पर क्या प्रभाव पड़ा?

[illegible] [illegible]

- [illegible] [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

- [illegible] - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] - [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] - [illegible], [illegible]
- [illegible] - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]: [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [

- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?

[illegible] [illegible]

- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

- कहानी में अकेलेपन का भाव कैसे प्रस्तुत किया गया है?
- संवादहीनता का क्या अर्थ है और यह कहानी में कैसे दिखती है?
- कहानी में आदर्श और यथार्थ के द्वंद्व का उदाहरण दें।

उत्तर कुंजी

- अकेलापन ताई के जीवन में परिवार के बिखरने से उत्पन्न हुआ है।
- संवादहीनता ताई और मिट्ठू के बीच संवाद के माध्यम से भी कभी-कभी टूट जाती है।
- ताई का कुंभ-स्नान जाना और मिट्ठू का पिंजरे से उड़ जाना आदर्श और यथार्थ के द्वंद्व को दर्शाता है।

अलंकार एवं काव्य सौंदर्य

कहानी में अलंकारों का प्रयोग सीमित है, परंतु संवादों में अनुप्रास और पुनरुक्ति अलंकार मिलते हैं जो भावों को प्रगाढ़ करते हैं। कहानी की भाषा सरल और प्रभावशाली है जो पाठक को भावनात्मक रूप से जोड़ती है।

Prepzy

मुख्य बिंदु

- अनुप्रास: "राम राम", "सीताराम" जैसे शब्दों का पुनरावृत्ति।
- पुनरुक्ति: संवादों में शब्दों का बार-बार दोहराव।
- भावात्मक भाषा।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"मिट्ठू राम राम!" और "खुश रहो! खुश रहो!!"

अभ्यास प्रश्न

- कहानी में कौन-कौन से अलंकार पाए जाते हैं?
- पुनरुक्ति का क्या प्रभाव होता है?

उत्तर कुंजी

- □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□
- □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□

□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□

"□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□, '□□□□□□! □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□?'" - □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□

"□□□□□□□ □□□□ □□□□!" - □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□

"□□□□□□! □□□□□□!! □□□□□□!!!" - □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□

□□□□□□ □□□□□□

- □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□?
- "□□□□□□! □□□□□□!! □□□□□□!!!" □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□?

□□□□□ □□□□□□

- □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□
- □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□

□□□□-□□□□□□

- □□□□ - □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□, □□□□□□□, □□□□□□
- □□□□□□ - □□□□□□□□□□, □□□□□□, □□□□□□□, □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□□, □□□□□□□□
- □□□□□□□□ - □□□□□□, □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□
- □□ □□□□□ - □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□
- □□□□□□□□ - □□□□□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□□□
- □□□□□□ - □□□□□□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□□□
- □□□□□□ - □□□□□□□□□□, □□□□□□□□□□, □□□□□□□, □□□□□□□□□□, □□□□□□□□□□□□□
- □□□□ - □□□□□, □□□□□□□
- □□□□□□□ - □□□□□□□, □□□□□□, □□□□□ □□ □□□□□□□□, □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□, □□□□□□
- □□□□□□□ - □□□□□□□□□□□□□

Prepzy

- तुनकमिजाज - जो झटपट या छोटी-छोटी बातों पर नाराज हो जाए, नाजुक मिजाज।
- वियोग - विच्छेद, विरह, अभाव, छुटकारा।
- साँकल - जंजीर, सिकड़ी, शृंखला।
- टोह - खोज, अनुसंधान, पता, देखभाल।
- देहरी /देहली - दरवाजे की चौखट में नीचे वाली लकड़ी जिसे लाँघकर घर में घुसते-निकलते हैं।
- मिजाज - स्वभाव, तबीयत, प्रकृति, आदत, गर्व, घमंड।
- प्रायश्चित - शोधन, वह शास्त्र-विहित कर्म जो पाप का मार्जन करने के लिए किया जाए।
- कौतूहलवश - उत्सुकता, अचंभा, कुतूहल।
- मशगूल - कार्यरत, किसी काम या शगल में लगा हुआ।
- अर्जन - कमाना, संग्रह करना।
- एवजी - बदले में काम करने वाला, स्थानापन्न।
- आग्नेय - अग्नि से उत्पन्न, अग्नि जैसा।
- जून - वक्त, वेला, दिन का अर्द्ध भाग।

Prepzy

